(ग) क्या अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित कोटा पूरा कर दिया गया है ;

(घ) यदि नहीं तो क्या इस कमी को पूरा करने के लिए निकट भविष्य में नये लाइसेंस जारी किए जाने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा उठाये जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) 1.1.92 के अनुसार दिल्ली में 239 खुदरा बिक्री केन्द्र थे। क्षेत्रवार विवरण नहीं रखे जाते हैं।

(ख) दो स्थापित किए गए थे लेकिन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का कोई नहीं।

(ग) से (ङ) वर्तमान नीति के अनुसार, एल०पी०जी० सहित पेट्रोलियम उत्पादों की सभी डीलरशिपे/डिस्ट्रीब्यूटरशिपों का 250 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है।

Petrol Pumps in U.P.

3178. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the number of petrol pumps functioning in U.P. and Delhi;

(b) what are the names of persons who have been allotted licences for the same.

(c) whether some licences out of them have been allotted to the persons belonging to scheduled castes/scheduled tribes; and

(d) what is the objective behind setting up of these petrol pumps alongwith the basis and procedure for issuing licences therefor?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) As on 1-1-92 there were 1892 and 239 retail outlets in U.P. and Delhi respectively.

(b) Such details are not maintained by Government.

(c) Yes, Sir.

(d) Retail Outlets are set-up at locations identified by the Oil Industry where the product demand needs to be met. Selection of all dealers are carried out as per Industry Guidelines under various categories through approved Selection Boards and also at the discretion of Government.

कच्चे तेल की उत्पादन लागत

3179. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पिछले दशक में कच्चे तेल की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1980–81 तथा वर्ष 1990–91 में प्रति टन कच्चे तेल की उत्पादन लागत क्या थी;

(ग) क्या उत्पादन की लागत में वृद्धि के कारणों के बारे में सरकार द्वारा कोई मूल्यांकन किया गया है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या सरकार द्वारा अन्य तेल उत्पादक देशों में औसत आधार पर कच्चे तेल के उत्पादन की वर्तमान लागत का कोई मूल्यांकन किया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो अन्य तेल उत्पादक देशों में उत्पादन की औसत लागत की तुलना में हमारे देश में कच्चे तेल की उत्पादन लागत कितनी कम या अधिक है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री शंकरानन्द) : (क) से (ग) जी, हां, कच्चे तेल की उत्पादन लागत स्थान दर स्थान और छोर दर छोर बदलती रहती है । तथापि, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, जो कि देश के कच्चे तेल के प्रमुख उत्पादक हैं, के अनुसार वर्ष 1980-81 और 1990-91 के लिए उत्पादन की औसत लागत क्रमशः 431 रु० प्रति मी० टन और 2066 रु० प्रति मी० टन थी । उत्पादन लागत में यह वृद्धि, सेवाओं के खर्च, इनपुट, और सांविधिक प्रभारों में वृद्धि की वजह से हुई थी ।

(घ) जी, नहीं ।

(ङ.) प्रश्न नहीं उठता ।

तेल शोधन क्षमता

3180. डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री रणजीत सिंह :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान तेल शोधन क्षमता के लक्ष्य में वृद्धि करने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस उद्देश्य के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं के निर्माण के लिए स्थान, क्षमता और लागत के संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) विद्यमान रिफाइनरियों में विस्तार/और उनमें अड़चनों को दूर करके एवं नई रिफाइनरियां स्थापित करके अतिरिक्त रिफाइनरी क्षमता को सृजित किया जा रहा है । स्थान, क्षमता और लागत संबंधी जानकारी संलग्न विवरण में दी गई है।

विवरण

तेल शोधन क्षमता

परियोजना का नाम स्थान	सृजित की जाने वाली अतिरिक्त क्षमता (एमटीपीए में)	अनुमानित लागत (करोड़ रुपयों में)
विस्तार/अड़चनें दूर करने संबंधी परियोजनाएं		
1. कोयाली रिफाइनरी	3.00	303
2. बरौनी रिफाइनरी	0.50	19.5
3. मद्रास रिफाइनरी	0.90	38
4. गुवाहाटी रिफाइनरी	0.15	0.20
5. कोचीन रिफाइनरी	2.5/3.0	481.24
6. डिग्बोई रिफाइनरी	0.15	350
7. बोंगाईगांव रिफाइनरी	1.00	222.99